



स्वयं सहायता समूह (SHG) क्या है ?

स्वयं सहायता समूह एक ऐसा समूह है जहाँ 10-20 लोग (आमतौर पर महिलाएँ) एक साथ मिलकर आपसी सहयोग और सामूहिक प्रयास से अपनी सामाजिक, आर्थिक और व्यावसायिक स्थिति को सुधारती हैं।



स्वयं सहायता समूह के मुख्य उद्देश्य

1 आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना: आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना।



2 महिला सशक्तिकरण: महिलाओं को निर्णय लेने में सक्षम बनाना।

3 आर्थिक स्थिरता: बचत और ऋण के माध्यम से छोटे व्यवसाय शुरू करने में मदद करना।



4 सामुदायिक विकास: समूह के माध्यम से सामूहिक समस्या का समाधान करना।

"सशक्त समाज की नींव: स्वयं सहायता समूह"
"सशक्त महिलाएँ, सशक्त भारत: कदम बढ़ाएँ SHG के साथ!"



स्वयं सहायता समूह (SHG) कैसे बनाया जाता है?

सदस्यों का चयन

- ✓ 10-20 महिलाएँ जो समान सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आती हों।
- ✓ नियमित रूप से बैठक और बचत में भाग लेने के लिए इच्छुक हों।



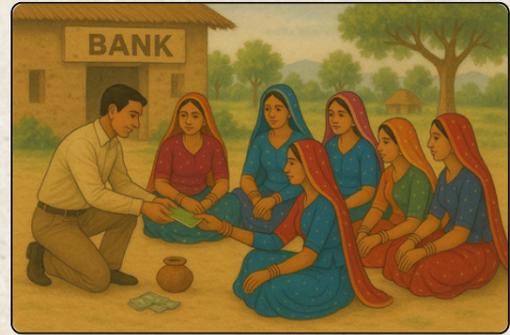
बैठकें आयोजित करना

- ✓ सभी सदस्यों के बीच विश्वास और समझ विकसित करना।
- ✓ समूह के नियम और जिम्मेदारियों को तय करना।



बचत खाता खोलना

- ✓ समूह के नाम पर बैंक में एक सामूहिक खाता खोलना।
- ✓ प्रत्येक सदस्य द्वारा नियमित रूप से छोटी राशि जमा करना।



प्रशिक्षण और मार्गदर्शन

- ✓ संबंधित सरकारी विभाग या NGO द्वारा समूह को प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करना।



आर्थिक गतिविधियों की शुरुआत

- ✓ समूह द्वारा छोटे ऋण लेकर व्यावसायिक गतिविधियाँ शुरू करना।



“आइए, एक मजबूत SHG बनाएं और सशक्त भारत की ओर कदम बढ़ाएं!”



स्वयं सहायता समूह (SHG): आपके सामूहिक विकास का आधार

नियमित बैठकें करें

-  हर महीने एक बार मिलें।
-  एजेंडा बनाएं और सभी सदस्यों को चर्चा में शामिल करें।



-  कैश बुक, मीटिंग रजिस्टर, और सदस्य पुस्तिका अद्यतन रखें।
-  सभी लेन-देन पारदर्शी और ईमानदारी से करें।

पारदर्शी
रिकॉर्ड-कीपिंग

बचत और ऋण

-  हर सदस्य से नियमित बचत सुनिश्चित करें।
-  जरूरतमंद सदस्यों को छोटे ब्याज पर ऋण दें।



-  नई जानकारी और कौशल सीखने के लिए प्रशिक्षण लें।
-  आय सृजन गतिविधियों को समझें और अपनाएं।

प्रशिक्षण और क्षमता
निर्माण

नेतृत्व और
सामूहिकता

-  सभी सदस्य नेतृत्व के लिए तैयार रहें।
-  अध्यक्ष, सचिव, और कोषाध्यक्ष अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें।



-  सरकारी योजनाओं और सहायक संस्थाओं (जैसे कि नाबार्ड, राजीविका आदि) से जुड़ें।
-  जरूरत पर ग्राम संगठन और क्लस्टर स्तर महासंघ से संपर्क करें।

आंतरिक और बाहरी
सहायता



स्वयं सहायता समूह (SHG) पंचसूत्र: सफलता की कुंजी !

1 नियमित बचत (Regular Saving)

₹ हर सदस्य नियमित रूप से बचत करे।

🔑 छोटी बचत बड़े सपने पूरे करती है।



2 नियमित बैठकें (Regular Meetings)

📅 17 हर महीने तय समय पर बैठक आयोजित करें।

📖 एजेंडा बनाएं और सभी मुद्दों पर चर्चा करें।

3 नियमित आंतरिक ऋण (Regular Internal Lending)

₹ जरूरतमंद सदस्यों को समूह की बचत से ऋण दें।

🔑 ऋण देने की प्रक्रिया पारदर्शी और सामूहिक हो।



4 नियमित ऋण अदायगी (Regular Loan Repayment)

📅 ऋण अदायगी की समय सीमा का पालन करें।

📅 समय पर चुकतान समूह की वित्तीय स्थिति मजबूत करती है।



“एकजुटता, अनुशासन और पारदर्शिता से सफलता की ओर कदम बढ़ाएं।”

5 नियमित रिकॉर्ड संधारण (Regular Record Maintenance)

📅 सभी बचत, ऋण और चुकतान का रिकॉर्ड अद्यतन रखें।

✓ वित्तीय लेन-देन की सही एंट्री सुनिश्चित करें।

